

Text Scan Input Form - Title Page

TBRC Volume Number 886

TBRC Work Number (W) 22084

Title व्यादयञ्जूर सूरे द्वीय राज्य

bka' 'gyur (sde dge)

Author খ্রীনুম্বর ক্রিম্বর বার্ম মন্ত্রী বার্ম ক্রিম্বর ক্রিম্বর ক্রিম্বর ক্রিম্বর ক্রিম্বর ক্রিম্বর ক্রিম্বর

edited by si tu paN chen chos kyi 'byung gnas

Descriptor scanned from the photomechanical reprint of the par phud printing

published in delhi by karmapae chodhey gyałwae sungrab partun

khang.

Original Publication

Number of Text Pages

Place [chengdu]

Publisher [s.n.]

Date [199-?]

Total Volumes 103
Current Volume (of Total) 1
Number of TBRC Introductory Pages 2
Number of Introductory Pages 0

TBRC Scanning Information Scanned by M/s Satluj Siti Enterprises, 63-F Sujan Singh Park,

622

New Delhi, India, for the Tibetan Buddhist Resource Center, 115

5th Ave. 7th Floor, New York, NY 10003 USA 2002

LC Control Number: 76902420 (for Karma pa edition)

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Uniform Title: [Kanjur.]

Main Title: The Sde-dge Black Bka'-'gyur: a reprint of a print from the

Sde dge blocks originally edited by Si-tu Chos-kyi-byung-gnas.

Published: Chengdu, China, 199-.

Description: 103 v.; 13 x 55 cm.

Contents: v. 1-13. 'Dul ba.--v. 14-25. Yum 'bum.--v. 26-28. Nyi khri.--v.

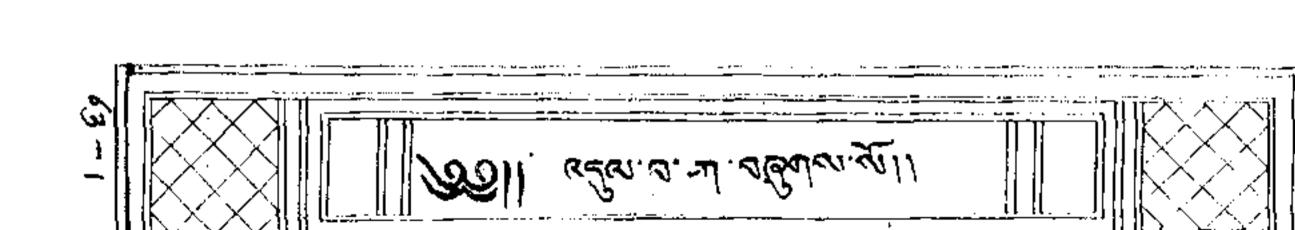
29-32. Khri brgyad. Sher khri.--v. 33. Brgyad stong pa.--v. 34. Sher phyin sna tshogs.--v. 35-38. Phal chen.--v. 39-44. Dkon brtsegs.--v. 45-75. Mdo sde.--v. 77-96. Rgyud 'burn.--v. 97-99. Rnying rgyud.--v. 100-101. Gzungs 'dus.--v. 102. Dus 'grel.--v.

103. Dkar chag.

Subjects: Buddhism--Sacred books.

LC Classification: BQ1260 1976

Dewey Class No.: 294.3/82 20



1988 विवादक्रभाष्ट्रा <u>्यमसम्ब</u> अये ५६२१५ श्रीवाल THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE

į~į

000 m **श्विकदा** |द्वाच्ठ्यचलद्द्दम्य**गह्**यका 133 <u>। पश्चिम्यस्याम्य प्रमा</u> (भेड़ेबक्कक्षेत्रं वस्वायं द्र जित्ततंत्र्यस्य वस्त्रश्चातालय। जिस्क्रेच्युक्रवर्षभयर्गन्यम् वर्षेत्रक्ष्यम् वर्षेत्रवरम् स्थित्रवा द्वान्य परकृत्य परकार्य वात्रवा विष्युपत्र ACTIVITATION OF THE PROPERTY O हित्रमान्य स्थाप्ति । |मादम्**क्षस्**यादेक्वयप्रस्टर्स्स 大公司のお望いれれたななな " थुभवानहरूभार्यदीवप्रशासिकाम्मलयार्वेअस्यावर TOO TOTAL स्यास्यक्ष्यक्षिक्षक्ष्यम् A & वार्यक्रयन्क नगर्र 159041 **1995** __ द्यद्यक्रद्योक्ष्याश्याप्यक्रिको। -वरस्यवेक्ष्मणप्रदरा रलगुरस्स्र वेस्किल व्यवपायवेदा 世代代のでは、 325

U देशम्युर्वे विश्वपाद्यापाद्ये प्रमाद्ये स्वयं विश्वपाद् भूभाषारम् र्याययम् ने मान्य स्थायक अवस्थित् भूषाया सुद्दे। इस्स्टेन्स् । स्मिन्सिमालविविविविष्णरमान्सिकार्यर्भित्रद्रम् सुक्रम् सुक्ष अवस्थिमोर्थातपुर्वेत्रपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर्वातपुर् **स्पर्धेम्बर्यर**ा स्क्र वेळें मश्राम्य देव है। **५५०अ महमावक्षयस्य अवस्य ।** स्वासमाई वहें सक्षमार विकेद विकर्श्वित प्राया रहें। क्रियां या स्थानिक विकास क्षेत्र क्षेत्र विक्रिया विकास क्षेत्र विक्रिया विक्रिया विक्रिया विक्रिया विक्रिया व W. **ने**दहयस्ट्रियास्य स्पर्केषश्रम् **किंगशर्**दरा -शिर्मिक् द्वाक्ष्वाश्वाम् अविश दिन्या हर्ग स्वार्किक स्वार्थिक क्रिया स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्यिक स्वार्य द्वादसुकुद में के प्राथमें प्रभूवते **FRICE DAYLE** 一つくているかりゃくて! शिर्मिक्र कर बेट्डि जर्मर कारिज केंद्रमा देखें र उद्यासकी क क्रियाययाय विद्याद के विद्या के क्रियार क्रियार क्रियार क्रियार कुरायतोगयम् ज्या**यतश्ये** भवन्ते। ्रयद्वायोग्यकोरकावकावस्याचा मानुस्रुक्ता मद्द। **ब्रिट्या**स्ट्रिय सुरा १५८) **13344 हिलपग**रवकवर्षण्यद्स्थार्द् चार्यानुस्रिक्कीर्यानुस्रिकेर्यान्यायम् विविव्यान्यार्याव्यव्यान्यानुस्रिक्षात्राम् ोह्रकेशद्भू विक्वेर्निक्षक जन्मदिन स्थान म्पानु मुख्यु द्वर्य युवाया श くんりむ व्यवस्थायम् विकास्य विकास स्थापित । यह स्थापित स्थापित । र्वज्ञित्रपेर्रुव्यथ्यभूराया -PANAZATONIZADEN EXPLICATION AND A PROPERTY OF THE PROPERTY OF

ACETIC

影影

<u> रिन्देनेक्रुण</u>या र्तिर्देशिक्षेक्रकर्क्करको षर्वामुद्धा र्वातिविश्चाकार्यस्य स्ट्रिस्ट्याविद्या देशस्युकाण्यहेभूरपश्चिपयर्ग् द्रवाचे वक्ष्याय सुचक्ष्या **√≫**| विकार के अपन्यान । पुरावेषा देने युग्ने वानुकारा वीवा र्जिश्रमतत्रक्ष्यद्रश्चित्रप्रम्बर्ण व्यत्यविक्रियस्थर्भराज्ञाचर्यस्यिकार्यस्थितः निस्थानी अधील दिस्य श्री से से स्थान विद्युक्रेय्र्यभूतिवद्श्वमुद्ध्यवेष्यभूत्रवद्श्यक्ष्यभूत्रभूक्ष्यभूत्रव्यम् भूत्रव्यक्ष्यभूत्यक्ष्यभूत्रव्यक्ष्यभूत्रव्यक्ष्यभूत्रव्यक्ष्यभूत्रव्यक्ष्यभूत्रव्यक्ष्यभूत्रव्यक्षयभूत्रव मार्ट्स्कर्भरश्रद्धर्पर्वश्रद्धाः প্রক্রিয়ক্ত वह्वाहेर्क्कोरहेवहेर्वकार्य दवलेश्वराज्ञात्वाहेर्वे व्यवस्था ्देभ्यसम्बद्धियारदेण तेषाग्रेर्द्दमात्रस्य शुक्षेद्रपदेश्वपक्षेत्र यह स्वाप्त वार्षेत्र पर्वेद्रपत मवनसम्बारम्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्र्याप्त्र्याप्त्रम्या विकारम्य विकारम्य विकारम्य विकारम्य विकारम्य विकारम्य शंकराश्यमारद्यम् रक्षेत्रस्यामेशस्य विभागारम् अर्थे दमोदमानीश्वाद्वरार्थे देनेशश्वाद्याश्ववनाठिपानी जेपा अर्थे दम्भारा स्थाप्य विद्यापालय स्थापा स्थापालय स्यापालय स्थापालय स्यापालय स्थापालय स्थापालय स्थापालय स्थापालय स्थापालय स्थापालय स्य -निष्युव-पाष्रवेषञ्चपविवयपम्यदेरक्षेश्ववेषभिषयम् अर्हे। ।वार्वक्रवरुवन्त्रविद्धविद्धविद्ववायायद्वावः म्युरा परिकेष में इति के वर्ष परिकेष रामिक वर्ष परिकेष रामिक वर्ष परिकार करियों कि वर्ष परिकार करिया कि वर्ष परिकार करियों कि वर्ष । अथ्रयात्रा स्थान्त्र । अथ्यात्र । श्चिमयेत्रीयम्बर्धियायम्बर्धिक्षेत्रीयम्बर्धिया INTERNATION OF THE PROPERTY OF

निश्चानिवाद्यानिक्षित्ता स्थानिक्ष्या स्थाने स्थाने स्थाने स्थान स्थान स्थाने स (Stabanda) Susaka भू-विवानुस्यूक्तभाग्यस्थानकुराद्यंत्रयस्थ अर्ग्स्वाहेन्द्योग्हेमहेमखेसर्यादवनेस्य हिम्स्यूर्या व्यापाठव विद्यमित्र मित्र में भ्रम्भ में प्राप्त के प्र क्रियम्बद्धक्रियम्बद्धक्रिया मत्मान्तिमञ्चातपरह्नाक्त्रम् मार्गान्यमाराज्यान्त्रम् स्थान्यात्रियक्त्रिये विद्यात्रमार्गान्यम् । ठवेश्वरमावसम्माग्यम् गावसा **किंग्र**म् कु तथा कुंबा तथा स्था कुंब कुंब च ब कुंब च क्रियम्याक्त्राक्त्याक्ष् **15-1144** नर्वाम्तितश्य त्रवण्ड्वादेवश्रेशत्वर्वाभू स्वत्याक्ष राजाविवविद्धिक्षेट्र विरवर्वाद्विवस्य श्रेयविवयं देख्यात् विवयं विवयं विवयं विवयं किंजनूरभवीचक्कितंश्वराश्वरा |यद्ग क्रियार्य्य अवस्थित्र प्राचित्र विक्रिया स्थानित । এথবাৰমা ACAIAI KI I SAUGO E GIE BEUK AKUKAKUTA TEKNING EKO E SE ETUK E KATUTUKUN KANTAKUKAKUTAKUN AN IN AN AN AN AN AN

ागर चेनेव्यं गोर्ववर्ष गाञ्च गायस्य श्रीरमं परश्य परिते क्षेत्रेव्यं स्वर्थ प्राप्त प्रमाणि । जन्म प्राप्त प्रमाण नेवेरोभूवाधेवहे। पर्वेतर्द्रवाचित्रश्रायद्विद्विद्वित्रश्रायद्वात्रायद्विद्विद्विद्वि ।यसुरद्देशसम्भवव श्रुस्कर्म् 33 |माल्वतुमाञ्चाराठत्रवेदयसस्य विद्यास्य विद्यास VE 6 वुराषुव पर्यक्षरायाने सद्दा न्याग्रह्य प्रमुख्य प्रमुख्य स्था **इस्रत्यं प्रत्यमानेश**र्दा <u> श्रुव जेन्नलक</u>रायान्य्रेशलाह्यसमान्द्र ব্যবস্থা माल्य पार पे मुद्र में माना है में बार है दे वा बोब के बार में दे । अर्थेश्वेदाशुद्दा **बुब्बर्य**र्द ् श्रुर्परचेर्डरहेरवमध्यपरेपर्यप्यक्षेत्रधुर्देरपरमुद्र **अरदरा** |५वादवोक्रेके न्या देखेमेवियवय्वित्वेद्राद्या ---स्भुदयदर् गलुगयद्ध विवीसक्षेत्रव्या 3451 जन्य अपर् कुर्वन्यवयप्ति वहुगाववर् युग्यपद् अविशयद्रा के | या देखा हो। जिल्ला नेदयह्या धर्य हपहणयद् सुर्वेदयहग्रयद्रा मीर्वक्रमस्मयर् मार्थायस्यागर्दा मान्यहणयद् श्रीयाय प्राच्याय प्रमाण्याय प्रमाण कियानक्षणरंगाता संस्टर्य शक्रेवर्त्वर्त्वेभवर्ष्य व्यक्तियरम्भवरम्भवेभवरम्भवन्त्र वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष मुर्यकेशेषात्र स्ववंत्यद्द् ानश्रीर कर्नेत्यक्तियात्रियात्राहित्य व्यक्षियात्। ज्याक्षेत्रवर्षा स्ट्रिय स्ट्रिय विद्वा विद्या विद् ज्बर्दर्भ क्षेत्रवस्य अस्त्रद्रमञ्जरपद् जैचायक्करवर्षे रचक्तर्रा विषयपयद्यवद्दा スの世代はなべて READENTE! *अ*द्वयंक्षयं व्यवस्था AIDIVICATE DATE

हपर्वद

व्यार्केन्यन्य विवासम्हा ~ C क्रम्पर्यद्वामामार्थिकारानुर्वेद्वरक्रम् श्रमान्य परत्येग पर् विवसम्बद्धाराज्यस्य क्रिदेश्वरायक्यातान्त्र त्रिभ्रवक्त्र्र्रवाक्र्यवेक्ष्रवाद्या विश्वरिया अने स्वयं देशवे विश्वराम्य |द्रायम् असुद्रम् अस्ति । व्याप्ति विश्वयिक्ष द्रियो विश्वयिक्ष प्रति । **। देशरायमान** जअक्रुवार्थार्थार्ग्याचिर्वरक्रिय विववन्वविव्युग् व्याप्य अव्येष्ट्रम् श्रीट्रायं विव्युप्ति स्वर्षायं स्वरं **म्यानश्रद्धारा** चिवायंत्रद्वाया घरदरम् युव्याप्तर्द्वा अर्थाया द्वाराद्वाद्केतम्भूष्वेच्याक्त्रम्वाप्त्रद्वाप्त्रप्त्रभूप्या देशञ्चलम् के सिर्द्यात्रक्तियाः प्रत्येशकार्थाः इतिविश्वाकृत्त्र वात्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विष्य विश्वास्त विश्वास्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष म्द्रवाजवाचनपर्य -चेश्राज्य देवाव्स्य स्थाप्त सम् दिशञ्चलमा अज्ञान्द्रस्थान्यवाद्या <u> द्रवायोगसूब्य</u> **अतिक्षेत्रमेर्**कवार्ये मदददर्गुसूर्यरम् 의 신행 1-Chiaracula र्रायम्बर्कर्वा महर्रार्ध्य अपन र्द्यारकुणर्वकृष्यं वास्युक्ते स्पर्वे स्पर्वे भू यद्गठ गाषार गठेकुभ यदिवे समाप्रकेषणेसर दहरद र्याकुलयर्यस्थाकेवर्वत्याच्यान्यस्था रद्दार भूद्रप्रविचाले**ठ**ठमाञ्चम्**राह्यः संदर्भरायगा**यात।